विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 25 नवंबर 2020

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

## जगतगुरुः शंकराचार्यः

शब्दार्थ याद कीजिए।

| | |
|---|---|
| पर्यटन- घूमते हुए | भाविष्यवाणी-कितनी युक्त व्याख्या |
| निर्गच्छत-निकल गया | प्रतिज्ञाय-प्रतिज्ञा करके |
| निर्गत्य- निकलकर | अनुमंस्यते-अनुमति दे दोगी |
| आक्रोशम् -चिल्लाहट | आक्रोशत्-चिल्लाया |
| नर्केण-मगरमच्छ | स्नातुम्- स्नान के लिए |
| पुत्रस्य स्नेह परवशा-उत्तर के स्नेह में आसक्त | अयाचत-माँगा |
| विरक्त-वैराग्य प्राप्त | अधीतवान् – पढ़ लिया |
| कुलोचिता-कुल में प्रचलित | जन्मनैव -जन्म से ही |
| प्रागेव-पहले ही | विरचितानि-लिखे गए |
| मरणासन्ना-मृत्यु के निकट | यदैव-जैसे ही |
| तदैव उसी समय ही | सम्पादितवान्-पूरा किया |
| परिभ्रमण-घूमते हुए | दिक्षु-दिशाओं में |
| समस्थापयत्-स्थापना की | वयसि-आयु में |

| | |
|---|---|
| **ब्रह्मामानम् उपगत** | **देशात् देशम्-एक देश से दूसरे देश को** |
| **परिव्राजकैः सह-सन्यासियों के साथ** | |